

SPECIAL ASSEMBLY ON DR. AMBEDKAR JAYANTI

“Freedom of mind is the real freedom. A person whose mind is not free, though he may not be in chains, is a slave, not a free man”.

St. Montfort School, Bhopal enthusiastically celebrated The Birth Anniversary of Dr. Bhimrao Ambedkar, a visionary leader and architect of the Indian Constitution on 12th April 2025 in the school Premises in its special morning assembly presented by the students of classes 10th A, B, C under the guidance of their efficient class teachers.

The program commenced with an introduction of a great personality and a special prayer followed by floral tribute to the portrait of Dr. Ambedkar by the principal of the school, Rev. Bro. Monachan K.K., Vice Principal, Rev. Bro. Gregory Ba and all the three co-ordinators of the school. Group of Students presented a pen picture on the life history of Dr. Ambedkar. To honour his fight against caste discrimination and his tireless work for Equal Rights for all, a special Enactment was performed based on the theme of ‘beyond the caste walls: The Ambedkar Story’.

With the spirited feeling students performed a melodious group song followed by thought provoking ‘Nukkad Natak’. The tempo of the music picked up as the dancers depicted Dr. Ambedkar's determination to pursue justice against all odds through Justice Rhythms dance.

Rev. Bro. Monachan K.K. in his program addressal extended his warm greetings to the assembled teachers, staff, and students. He emphasized the importance of commemorating Dr. Ambedkar's birth anniversary as a tribute to his invaluable contributions to Indian society and the world at large. The assembly was concluded by the vote of Thanks, proposed by the students of class 10. The program came to an end by repeating the chants of Preamble by all the students and sung together our national anthem to bring the true essence of the day.

By Mr. Krishna Kapil

भारतीय संविधान निर्माता अंबेडकर जयंती 2025 का आयोजन

“ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है यदि हमें सम्मान पाना है, तो हमें शिक्षित होना होगा । मैं आप सब से कहता हूँ—शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो ।”

डॉ. भीमराव अंबेडकर

12 अप्रैल 2025, संविधान-जनक, भारत गणराज्य के निर्माता, दलित बौद्ध आंदोलन के प्रेरक, समाज सुधारक डॉ भीमराव अंबेडकर के महान व्यक्तित्व से छात्रों को परिचित कराने के उद्देश्य से सेंट मॉन्टफोर्ट विद्यालय की सीनियर सेकेंडरी विभाग में उनका 135 वाँ जन्मदिवस विशेष प्रार्थना सभा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ प्रार्थना-गान के साथ डा. बी. आर. अंबेडकर की फोटो पर माल्यार्पण से आरंभ हुआ। छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियों में नृत्य नाटिका, नुक्कड़ नाटक, नृत्य, के माध्यम से डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन तथा उनके महान कार्यों से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया, साथ ही नाटिका में बताया गया कि अंबेडकर जी ने पिछड़ों के लिए आवाज उठाई थी। उन्होंने दलित समुदाय के अधिकारों के लिए संघर्ष किया था। बाबा साहेब समाज में दबे, शोषित, कमजोर, मजदूर और महिला वर्ग को सशक्त बनाना चाहते थे और समाज में बराबर का दर्जा दिलाना चाहते थे।

छात्रों ने नाटिका की प्रस्तुति करते हुए उन मूल्यों के विषय में बताया जो भीमराव अंबेडकर ने स्वतंत्र गणराज्य के लिए रखे थे। सभी ने राष्ट्र को प्रभुत्व सम्पन्न के धार्मिक वैमनस्य से अलग राष्ट्र बनाने की शपथ ली। संविधान कमेटी के सभी सदस्यों विशेष रूप से डॉ. भीमराव अंबेडकर के भावपूर्ण अभिनय ने प्रभावित किया।

इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य ब्रदर मोनाचन के ने छात्रों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि भारतीय समाज में डॉ. अंबेडकर के अपार योगदान और समानता और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने में उनके अनमोल विचार आज भी लोगों को काफी प्रेरित करते हैं। उनकी स्थायी विरासत को मान्यता देते हुए इस विषय के अंतर्गत आप यहाँ उनके कुछ अनमोल विचार पर ध्यान देकर अपने आपको सशक्त बनाने का काम करेंगे। इस अवसर पर उपप्राचार्य ब्रदर ग्रेगरी बा, कोऑर्डिनेटर श्रीमती ज्योति नायर, सिस्टर जैनी, एवं सभी कक्षाओं के कक्षा अध्यापक उपस्थित थे ।

संपूर्ण कार्यक्रम कक्षा दसवीं ए ,बी और सी के छात्रों द्वारा अपनी कक्षा अध्यापिका संगीता हसी जा, दीपा पिल्लई, एवं सुष्मिता नागर के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन पर छात्रों द्वारा सभी से भारतीय संविधान के नियमों का पालन करने की अपील की क्योंकि अंबेडकर जी ने अपने पूरे जीवन में समानता की वकालत की और कानून की नजर में सभी मित्रों के साथ उचित व्यवहार पर जोर दिया।

राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन हुआ।

संगीता हसीजा